International Journal of Advance and Applied Research
www.ijaar.co.in
ISSN – 2347-7075 Impact Factor – 7.328
Peer Reviewed Bi-Monthly
Vol.10 No.5 May– June 2023

जनपद प्रतापगढ़ में सामान्य भूमि उपयोग का भौगोलिक विष्लेषण

देवेन्द्र कुमार गुप्ता[1],प्रो. विनीत नारायण दूबे[2]
[1]शोधकर्ता
[2]विभागाध्यक्ष भूगोल विभाग, शोध निर्देशक,
श्री मुरली मनोहर टाउन पी.जी. कॉलेज,
बलिया, उत्तर प्रदेश
Corresponding Author- देवेन्द्र कुमार गुप्ता
Email- psalld831@gmail.com
DOI- 10.5281/zenodo.8163666

प्रस्तावना

भूमि एक आधारभूत प्राकृतिक संसाधन है, जिस पर समस्त आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्य सम्पन्न होते हैं। किसी क्षेत्र की सम्पूर्ण भूमि का विभिन्न कार्यों हेतु किया जाने वाला उपयोग, भूमि उपयोग कहलाता है। मानव की सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए भूमि की तय आपूर्ति की व्यवस्था की गई है परन्तु वर्तमान समय में लगातार बढ़ती आबादी और अधिकाधिक आर्थिक वृद्धि की आकांक्षाओं के कारण भूमि की मांग निरन्तर बढ़ती जा रही है। बढ़ती जनसंख्या के लिए स्थान, आश्रय और उपयोगी वस्तुओं की आवश्यकता के कारण पर्यावरण पर अत्याधिक दबाव पड़ रहा है और इन सभी वस्तुओं को उपलब्ध कराने के लिए नाटकीय तरीके से भूमि उपयोग प्रतिरूप बदल रहा है। जब तक मानव अपनी जरूरतें पूरी करता रहता है। भूमि उपयोग के प्रतिरूप में बदलाव से कोई विघटनकारी प्रभाव देखने को नहीं मिला। लेकिन जैसे ही मानव सभ्यता ने खुद को विकसित और विकसित करने की मुहिम शुरू की है, जंगलों की अंधाधुंध कटाई शुरू हो गई जिसका परिणाम मृदा निम्नीकरण, जैव विविधता में कमी और वायु, जल स्त्रोतों के प्रदूषण के रूप में दिखाई पड़ रहा है। जनपद प्रतापगढ़ मुख्यतः कृषि प्रधान क्षेत्र है।

मुख्य शब्द– वन, परती, उसर, कृषि

स्थिति और विस्तार

प्रस्तुत अध्ययन क्षेत्र उत्तर प्रदेश के जनपद प्रतापगढ़ गंगा के मैदान का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। प्रतापगढ़ जनपद उत्तर प्रदेश के दक्षिण–पूर्वी भूभाग में विस्तृत है। प्रतापगढ़ जनपद का विस्तार 81°19′ से 82° 27′ पूर्वी देशांतर और 25° 34′ से 26° 11′ उत्तरी अक्षांश के मध्य में स्थित है तथा इसका कुल क्षेत्रफल 3717 वर्ग किलोमीटर और पूर्व से पश्चिम लगभग 110 किलोमीटर लंबाई में फैला तथा उत्तर से दक्षिण लगभग 50 किलोमीटर की चौड़ाई में विस्तृत है। इसकी पूर्वी सीमा जौनपुर जनपद, पश्चिम में फतेहपुर, उत्तर में अमेठी और सुल्तानपुर, तथा उत्तर पश्चिम रायबरेली, दक्षिण में प्रयागराज, तथा दक्षिण पश्चिम में कौशांबी जनपद, मिलकर प्रतापगढ़ की सीमा निर्धारण करते हैं।

मानचित्र क्रमांक–1

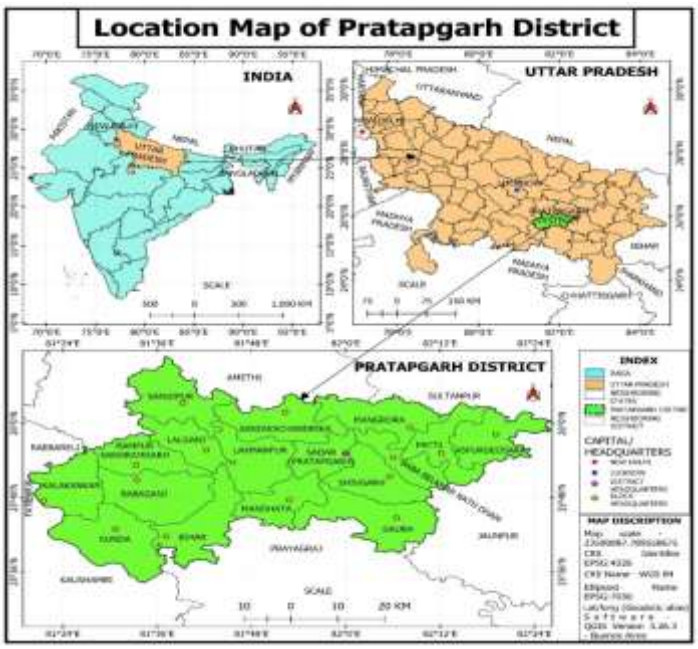

शोध अध्ययन के उद्देश्य

शोध का प्राथमिक उद्देश्य उन परिणामों को प्राप्त करना है जो अभी तक खोजे नहीं गए हैं। प्रत्येक शोध कार्य का एक विशिष्ट उद्देश्य होता है। शोधकर्ता ने अपने शोध कार्य के उद्देश्यों का उल्लेख किया है। जो निम्नानुसार

1. भूमि उपयोग के विविध पक्षों का अध्ययन करना।
2. अध्ययन क्षेत्र के भूमि उपयोग का वर्गीकरण करना।

विधितंत्र

वर्तमान अध्ययन का मुख्य उद्देश्य भूमि उपयोग के विविध पक्षों का अध्ययन करना है। इसके लिए जनपद में राज्य एवं केन्द्र सरकार के प्रकाशित एवं अप्रकाशित सूचनाओ तथा सांख्यिकीय आंकड़े मुख्य सूचना स्रोत हैं। प्रस्तुत शोध पत्र में शोध विधि के अंतर्गत शोधार्थी द्वारा द्वितीयक आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। इन आंकड़ों का विश्लेषण शोधार्थी ने M.S. Excel एप्लीकेशन पर किया है। जिनका विश्लेषण पुनः सारणी एवं आरेख के माध्यम से किया है। शोध पत्र में अध्ययन क्षेत्र का मानचित्र Arc GIS एप्लीकेशन पर शोधार्थी द्वारा तैयार किया गया है।

भूमि उपयोग

भूमि उपयोग भौगोलिक अध्ययन का एक प्रमुख पक्ष है। इस शब्द का प्रयोग बहुत ही व्यापक अर्थो में किया जाता है। भूमि का उपयोग मानव अपनी उपयोगिता के आधार पर आर्थिक संसाधन के रूप में प्रयुक्त करता है। भारत का भूमि उपयोग प्रतिरूप प्राकृतिक (स्थलाकृति, जलवायु एवं मिट्टी) तथा सांस्कृतिक पर्यावरण (मानवीय क्रियाएं व प्रौद्योगिकी) के कारणो का प्रतिफल है। जनपद प्रतापगढ़ के भूमि उपयोग सम्बन्धी आँकड़ों का अध्ययन 8 वर्गों के अन्तर्गत किया गया है। जो निम्नलिखित है–

1. वन
2. कृष्य बेकार भूमि
3. वर्तमान परती
4. अन्य परती
5. ऊसर एवं कृषि के अयोग्य भूमि
6. कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग की भूमि
7. चारागाह
8. उद्यान, वृक्ष व झाड़ियाँ

1.वनो का वितरण

प्रतापगढ़ जिले में अलग–अलग मात्रा में वन क्षेत्र वाले विकासखंड हैं। जिले में भूमि उपयोग के तहत वनों का विकासखंड वार विवरण इस प्रकार हैं–कालाकांकर विकासखंड में भूमि उपयोग के तहत कोई वन क्षेत्र निर्दिष्ट नहीं है। बाबागंज विकासखंड में भूमि उपयोग के तहत 18 हेक्टयर वन भूमि है। कालाकांकर के समान, कुंडा विकासखंड में भूमि उपयोग के लिए कोई वन क्षेत्र नहीं है। बिहार विकासखंड में भूमि उपयोग के तहत वन भूमि का क्षेत्र 4 हेक्टयर हैं। सांगीपुर विकासखंड में वन भूमि 1 हेक्टयर है। लालगंज विकासखंड में भूमि उपयोग के तहत 33 हेक्टयर वन भूमि के साथ एक महत्वपूर्ण वन क्षेत्र है। लक्ष्मणपुर विकासखंड में भूमि उपयोग के तहत 78 हेक्टयर वन भूमि के साथ पर्याप्त वन क्षेत्र है। संडवा चंद्रिका विकासखंड में भूमि उपयोग के तहत 76 हेक्टयर वन भूमि है। प्रतापगढ़ सदर विकासखंड में भूमि उपयोग के तहत 55 हेक्टेयर वन भूमि है। मांधाता विकासखंड में भूमि उपयोग के तहत 67 हेक्टयर वन भूमि है। मंगरौरा विकासखंड में भूमि उपयोग के तहत 54 हेक्टयर वन भूमि है। पट्टी विकासखंड में भूमि उपयोग के तहत वन भूमि की 18 हेक्टयर हैं। आसपुर देवसरा विकासखंड में भूमि उपयोग के तहत 43 हेक्टयर वन भूमि है। शिवगढ़ विकासखंड में भूमि उपयोग के तहत 14 हेक्टयर वन भूमि है। गौरा विकासखंड में भूमि उपयोग के 44 हेक्टयर वन भूमि है। रामपुर संग्रामगढ़ विकासखंड में भूमि उपयोग के तहत वन भूमि की 14 हेक्टयर यॉं हैं। बाबा बेलखरनाथ विकासखंड में 50 हेक्टयर वन भूमि भूमि उपयोग के अंतर्गत है।

प्रतापगढ़ जिले में कुल वन क्षेत्र 569 हेक्टयर है। यह सारणी क्रमांक–1 से स्पष्ट हैं कि प्रतापगढ़ जिले के विभिन्न विकासखंड में वन वितरण और भूमि उपयोग की स्थिति क्या है।

सारणी क्रमांक–1 प्रतापगढ़ जनपद में विकासखण्ड वार भूमि उपयोग के अन्तर्गत वनो का वितरण

प्रतापगढ़ जनपद में विकासखण्ड वार भूमि उपयोग के अन्तर्गत वनो का वितरण (क्षेत्र हें-)2022	
विकासखण्ड	**वन**
कालाकांकर	0
कुण्डा	0
योग नगरीय	0
सांगीपुर	1
बिहार	4
शिवगढ़	14
रामपुर संग्रामगढ	14
बाबागंज	18
पट्टी	18
लालगंज	33
आसपुर देवसरा	43
गौरा	44
बाबा बेल्खरनाथ	50
मंगरौरा	54
प्रतापगढ़ सदर	55
मान्धाता	67

सण्डवा चन्द्रिका	76
लक्ष्मणपुर	78
योग जनपद	569

स्त्रोत. 2022, District Statistical Magazine, Pratapgarh District

आरेख क्रमांक–1 प्रतापगढ़ जनपद में विकासखण्ड वार भूमि उपयोग के अन्तर्गत वनो का वितरण

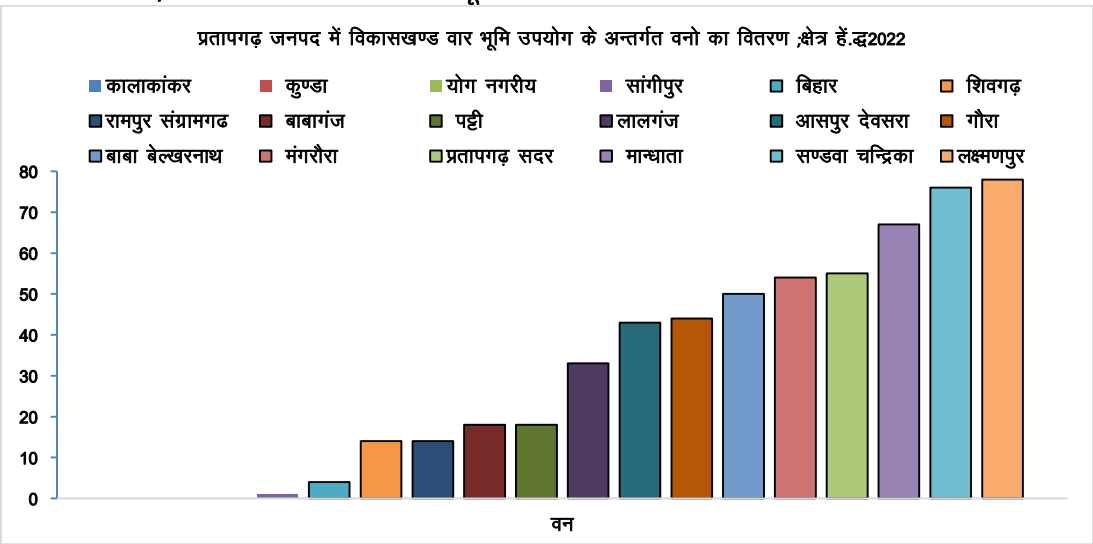

2.कृष्य बेकार भूमि

अध्ययन क्षेत्र प्रतापगढ़ जनपद के विभिन्न विकास खंडों में भूमि उपयोग के अंतर्गत कृष्य बेकार भूमि का विवरण जिला सांख्यिकी पुस्तिका 2022 से प्राप्त आंकड़ों द्वारा सारणी क्रमांक 2 एवं आरेख क्रमांक 2 में दिया गया है। जिसके अंतर्गत कुंडा विकासखंड में 144 हेक्टेयर, बाबा बेलखरनाथ में 152 हेक्टेयर, लक्ष्मणपुर में 58, एवं पट्टी में 200 हेक्टेयर कृष्य बेकार भूमि है। जबकि सर्वाधिक प्रतापगढ़ सदर में 402 हेक्टेयर, रामपुर संग्रामगढ़ में 352, लालगंज विकास खंड में 347 हेक्टेयर, मान्धाता विकासखंड में 342 हेक्टेयर, बिहार विकासखंड में 327 हेक्टेयर, कालाकांकार विकासखंड में 314 हेक्टेयर, आसपुर देवसरा विकासखंड में 310 हेक्टेयर कृष्य बेकार भूमि वर्ष 2022 के अंतर्गत विस्तृत हैं। जबकि जनपद प्रतापगढ़ में कुल कृष्य बेकार भूमि का क्षेत्रफल 4698 हेक्टेयर है।

सारणी क्रमांक–2 प्रतापगढ़ जनपद में विकासखण्ड वार भूमि उपयोग के अन्तर्गत कृष्य बेकार भूमि का वितरण

प्रतापगढ़ जनपद में विकासखण्ड वार भूमि उपयोग के अन्तर्गत कृष्य बेकार भूमि का वितरण 2022	
विकासखण्ड	कृष्य बेकार भूमि
योग नगरीय	44
कुण्डा	144
बाबा बेल्खरनाथ	152
लक्ष्मणपुर	158
पट्टी	200
बाबागंज	201
शिवगढ़	223
गौरा	260
सण्डवा चन्द्रिका	305
सांगीपुर	308
मंगरौरा	309
आसपुर देवसरा	310
कालाकांकर	314
बिहार	327
मान्धाता	342
लालगंज	347
रामपुर संग्रामगढ	352
प्रतापगढ़ सदर	402
योग जनपद	4698

स्त्रोत. 2022, District Statistical Magazine, Pratapgarh District

आरेख क्रमांक–2 प्रतापगढ़ जनपद में विकासखण्ड वार भूमि उपयोग के अन्तर्गत कृष्य बेकार भूमि का वितरण

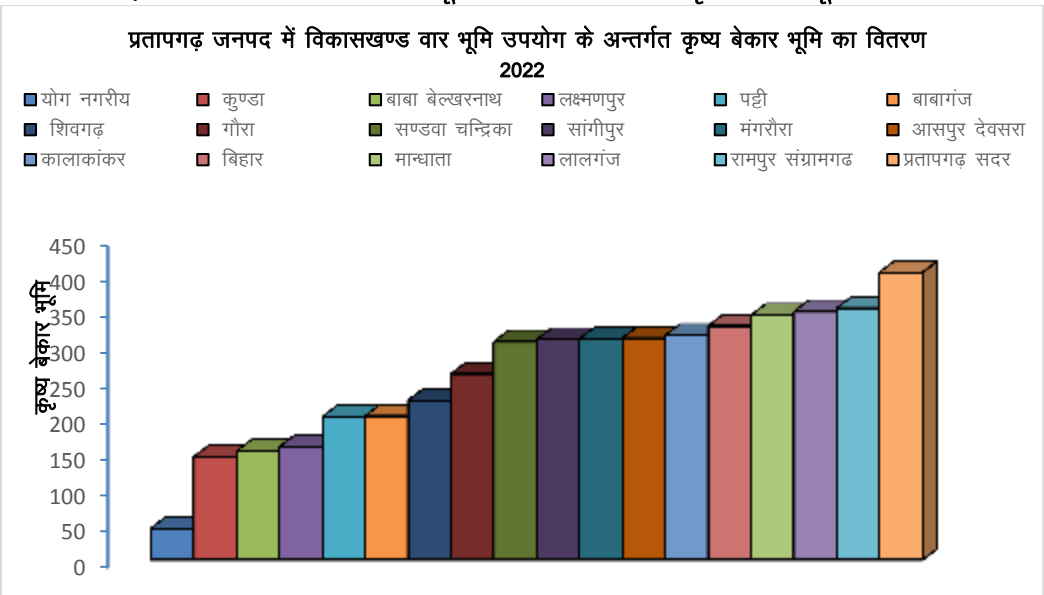

3.वर्तमान परती

सारणी क्रमांक–3 से स्पष्ट हैं कि वर्तमान परती भूमि के अंतर्गत अध्ययन क्षेत्र प्रतापगढ़ में कुल भूमि 28691 हेक्टेयर है। सबसे कम वर्तमान परती भूमि वाले विकासखंड शिवगढ़ 1227 हेक्टेयर, पट्टी 1227 हेक्टेयर, बाबा बेल्खरनाथ 1279 हेक्टेयर, गौरा ,1399 हेक्टेयर, आसपुर देवसारा 1444, मंगरौरा विकासखंड में 1494 हेक्टेयर वर्तमान परती भूमि विस्तृत है। सर्वाधिक वर्तमान परती भूमि वाले विकासखंड में लक्ष्मणपुर विकासखंड प्रथम स्थान पर जहां कुल 2367 वर्तमान परती भूमि का विस्तार है। बाबागंज विकासखंड में 2120 हेक्टेयर, बिहार विकासखंड में 2083 हेक्टेयर, कुंडा विकासखंड में 1911 कालाकांर करने 1885, रामपुर संग्रामगढ़ में 1851 हेक्टेयर वर्तमान परती भूमि फैली है, जबकि सांगीपुर विकासखंड में 1692 एवं सण्डवा चंद्रिका में 1572 हेक्टेयर वर्तमान परती भूमि का विस्तार है।

सारणी क्रमांक–3 प्रतापगढ़ जनपद में विकासखण्ड वार भूमि उपयोग के अन्तर्गत वर्तमान परती भूमि का वितरण

प्रतापगढ़ जनपद में विकासखण्ड वार भूमि उपयोग के अन्तर्गत वर्तमान परती भूमि का वितरण 2022	
विकासखण्ड	वर्तमान परती
योग नगरीय	225
शिवगढ़	1227
पट्टी	1274
बाबा बेल्खरनाथ	1279
गौरा	1399
आसपुर देवसरा	1454
मंगरौरा	1494
मान्धाता	1532
सण्डवा चन्द्रिका	1572
सांगीपुर	1620
प्रतापगढ़ सदर	1692
लालगंज	1706
रामपुर संग्रामगढ	1851
कालाकांकर	1885
कुण्डा	1911
बिहार	2083
बाबागंज	2120
लक्ष्मणपुर	2367
योग जनपद	28691

स्त्रोत. 2022, District Statistical Magazine, Pratapgarh District

आरेख क्रमांक–3 प्रतापगढ़ जनपद में विकासखण्ड वार भूमि उपयोग के अन्तर्गत वर्तमान परती भूमि का वितरण

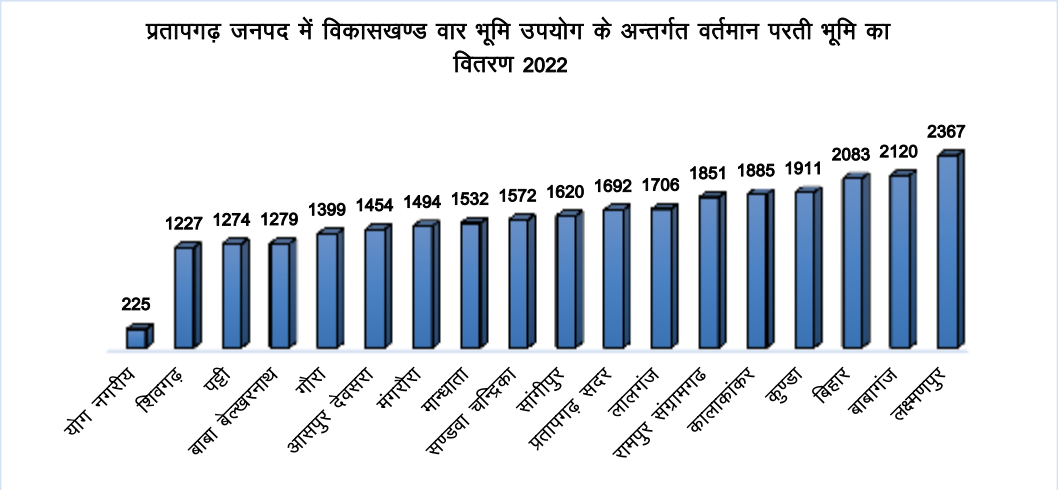

.अन्य परती भूमि: सारणी क्रमांक–4 2022 में, प्रतापगढ़ जिले में भूमि उपयोग के तहत अन्य परती भूमि का वितरण निम्नानुसार वर्णित किया जा सकता है। नगरीय क्षेत्र में 34 हेक्टेयर अन्य परती भूमि हैं। सांगीपुर 306 हेक्टेयर अन्य परती भूमि के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि प्रतापगढ़ यसदर में 313 हेक्टेयर, लालगंज में 318 हेक्टेयर, और बिहार में 337 हेक्टेयर हैं। शिवगढ़ में अन्य परती भूमि की क्षेत्र 347 हेक्टेयर, जबकि बाबा बेलखरनाथ विकासखण्ड में 354 हेक्टेयर हैं।

मंधाता में 379 हेक्टेयर और मंगरोरा में 397 हेक्टेयर अन्य परती भूमि का विस्तार है। गौरा के पास अन्य परती भूमि की 404 हेक्टेयर, जबकि पट्टी ने 495 हेक्टेयर हैं। कालाकांकर 499 हेक्टेयर और बाबागंज में 528 हेक्टेयर परती भूमि का विस्तार है। रामपुर संग्रामगढ़ में 551 हेक्टेयर और आसपुर देवसरा में 580 हेक्टेयर अन्य परती भूमि हैं। लक्ष्मणपुर में 739 हेक्टेयर और संडवा चंद्रिका में 741 हेक्टेयर के साथ क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

सारणी क्रमांक–4 प्रतापगढ़ जनपद में विकासखण्ड वार भूमि उपयोग के अन्तर्गत अन्य परती भूमि का वितरण

प्रतापगढ़ जनपद में विकासखण्ड वार भूमि उपयोग के अन्तर्गत अन्य परती भूमि का वितरण 2022	
विकासखण्ड	अन्य परती
योग नगरीय	34
सांगीपुर	306
प्रतापगढ़ सदर	313
लालगंज	318
बिहार	337
शिवगढ़	347
बाबा बेल्खरनाथ	354
मान्धाता	379
मंगरौरा	397
गौरा	404
पट्टी	495
कालाकांकर	499
बाबागंज	528
रामपुर संग्रामगढ	551
आसपुर देवसरा	580
लक्ष्मणपुर	739
सण्डवा चन्द्रिका	741
कुण्डा	766
योग जनपद	8088

स्त्रोत. 2022, District Statistical Magazine, Pratapgarh District

आरेख क्रमांक–4 प्रतापगढ़ जनपद में विकासखण्ड वार भूमि उपयोग के अन्तर्गत अन्य परती भूमि का वितरण

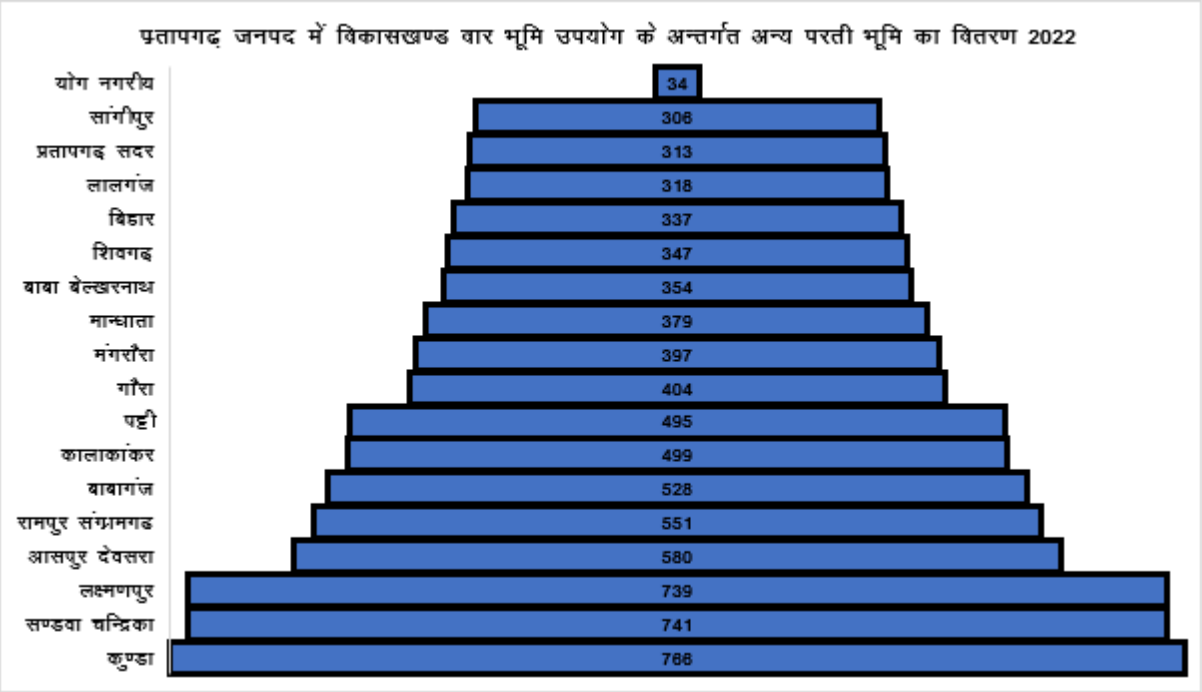

5.ऊसर एव कृषि के अयोग्य भूमि

सारणी क्रमांक–5 स्पष्ट से 2022 में प्रतापगढ़ जिले में विकासखण्ड वार भूमि उपयोग के अंतर्गत बंजर एवं अनुपयोगी भूमि का वितरण निम्नानुसार वर्णित किया जा सकता हैं नगरीय भाग में 8 हेक्टेयर बंजर और कृषि के लिए अनुपयुक्त भूमि हैं। बाबागंज विकासखण्ड 248 हेक्टेयर क्षेत्र पर बंजर एवं अनुपयोगी भूमि का विस्तार हैं। बाबा बेलखरनाथ विकासखण्ड में 329 हेक्टेयर बंजर एवं अनुपयोगी भूमि हैं। जबकि प्रतापगढ़ सदर और शिवगढ़ विकासखण्ड दोनों में 375 हेक्टेयर बंजर एवं अनुपयोगी भूमि हैं।

पट्टी विकासखण्ड में 409 हेक्टेयर बताई गईं, और मंगरोरा विकासखण्ड में 461 हेक्टेयर बंजर और अनुपयोगी भूमि हैं। कालाकांकर विकासखण्ड में 470 हेक्टेयर के साथ अधिक हैं, जबकि संडवा चंद्रिका विकासखण्ड में 481 हेक्टेयर बंजर और अनुपयोगी भूमि हैं। आसपुर देवसरा विकासखण्ड में 534 हेक्टेयर हैं, और मंधाता विकासखण्ड में 535 हेक्टेयर बंजर और अनुपयोगी भूमि हैं।

लक्ष्मणपुर विकासखण्ड में 544 हेक्टेयर बंजर और अनुपयोगी भूमि हैं, जबकि कुंडा विकासखण्ड में 585 हेक्टेयर बंजर और अनुपयोगी भूमि हैं। बिहार विकासखण्ड में 592 हेक्टेयर बंजर और अनुपयोगी भूमि दर्ज की गईं, और सांगीपुर विकासखण्ड में 680 हेक्टेयर बंजर और अनुपयोगी भूमि हैं। लालगंज विकासखण्ड में 795 हेक्टेयर बंजर और अनुपयोगी भूमि हैं, जबकि गौरा विकासखण्ड में 908 हेक्टेयर बंजर और अनुपयोगी भूमि हैं। सबसे अधिक बंजर एवं अनुपयोगी भूमि रामपुर संग्रामगढ़ विकासखण्ड में पाई गई, जिसकी संख्या 1052 हेक्टयर है। जनपद प्रतापगढ. में कुल 9381 हेक्टेयर बंजर और अनुपयोगी भूमि हैं। ये आंकड़े 2022 में प्रतापगढ़ जिले में ब्लॉक–वार भूमि उपयोग के तहत बंजर और गैर–कृषि अयोग्य भूमि के वितरण को दर्शाते हैं।

सारणी क्रमांक–5 प्रतापगढ़ जनपद में विकासखण्ड वार भूमि उपयोग के अन्तर्गत ऊसर एव कृषि के अयोग्य भूमि का वितरण

प्रतापगढ़ जनपद में विकासखण्ड वार भूमि उपयोग के अन्तर्गत ऊसर एव कृषि के अयोग्य भूमि का वितरण 2022	
विकासखण्ड	ऊसर एव कृषि के अयोग्य भूमि
योग नगरीय	8
बाबागंज	248
बाबा बेल्खरनाथ	329
प्रतापगढ़ सदर	375
शिवगढ़	375
पट्टी	409
मंगरौरा	461
कालाकांकर	470
सण्डवा चन्द्रिका	481
आसपुर देवसरा	534

मान्धाता	535
लक्ष्मणपुर	544
कुण्डा	585
बिहार	592
सांगीपुर	680
लालगंज	795
गौरा	908
रामपुर संग्रामगढ	1052
योग जनपद	9381

स्त्रोत. 2022, District Statistical Magazine, Pratapgarh District

आरेख क्रमांक–5 प्रतापगढ़ जनपद में विकासखण्ड वार भूमि उपयोग के अन्तर्गत ऊसर एव कृषि के अयोग्य भूमि का वितरण

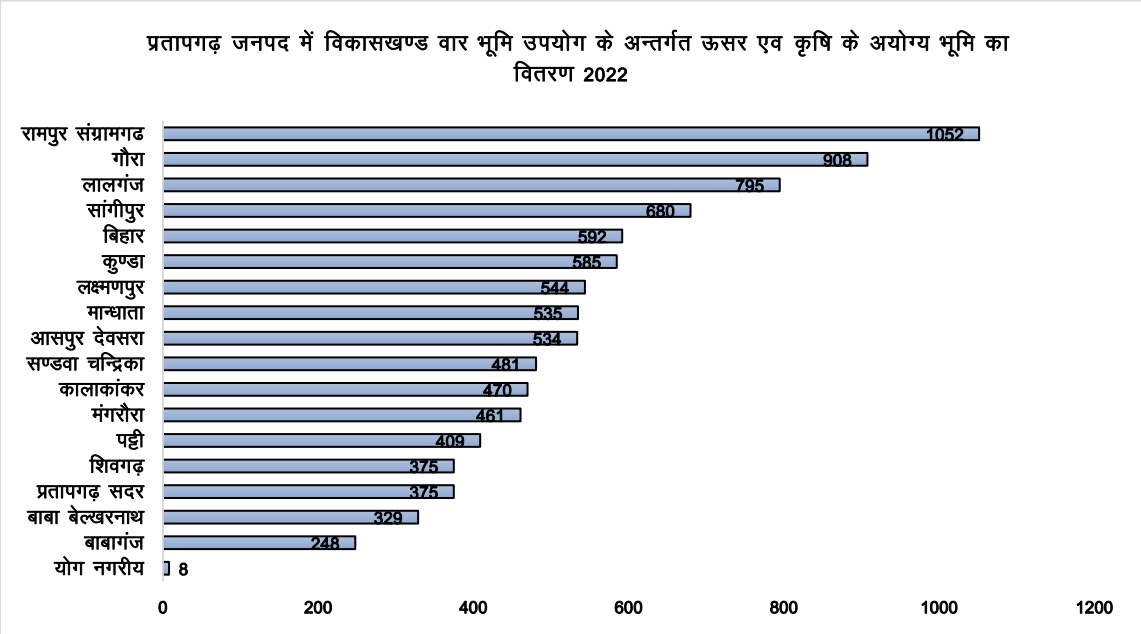

6.कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग की भूमि

प्रतापगढ़ जिले में कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग के लिए भूमि का वितरण इस प्रकार हैं। नगरीय क्षेत्र में कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग के लिए 720 हेक्टेयर भूमि हैं। पट्टी विकासखण्ड ने 3156 हेक्टेयर कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग, इसके बाद 3188 हेक्टेयर के साथ शिवगढ़ विकासखण्ड का नंबर आता है। बाबा बेलखरनाथ विकासखण्ड में 3371 हेक्टेयर कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग, जबकि मांधाता विकासखण्ड में 3833 हेक्टेयर कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग। लक्ष्मणपुर विकासखण्ड ने 3904 हेक्टेयर कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग, और इसके बाद प्रतापगढ़ सदर ने 3908 हेक्टेयर कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग हैं।

संडवा चंद्रिका विकासखण्ड में गैर–कृषि प्रयोजनों के लिए 4006 हेक्टेयर भूमि कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग। आसपुर देवसरा विकासखण्ड में 4109 हेक्टेयर और लालगंज विकासखण्ड में 4117 हेक्टेयर कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग भूमि हैं। मंगरौरा में 4343 हेक्टेयर कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग भूमि हैं, जबकि गौरा विकासखण्ड में 4344 हेक्टेयर कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग हैं। रामपुर संग्रामगढ़ विकासखण्ड में 4499 हेक्टेयर कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग हैं, और बाबागंज विकासखण्ड में कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग के लिए 4691 हेक्टेयर भूमि हैं। कुण्डा विकासखण्ड में 4720 हेक्टेयर कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग भूमि हैं, जबकि सांगीपुर में 4757 हेक्टेयर। बिहार विकासखण्ड में 5407 हेक्टेयर कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग भूमि हैं और कालाकांकर में 5673 हेक्टेयरें के कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग भूमि हैं।

सारणी क्रमांक–6 प्रतापगढ़ जनपद में विकासखण्ड वार कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग की भूमि का वितरण

प्रतापगढ़ जनपद में विकासखण्ड वार कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग की भूमि का वितरण 2022	
विकासखण्ड	कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग की भूमि
योग नगरीय	720
पट्टी	3156
शिवगढ़	3188
बाबा बेल्खरनाथ	3371

मान्धाता	3833
लक्ष्मणपुर	3904
प्रतापगढ़ सदर	3908
सण्डवा चन्द्रिका	4006
आसपुर देवसरा	4109
लालगंज	4117
मंगरौरा	4343
गौरा	4344
रामपुर संग्रामगढ	4499
बाबागंज	4691
कुण्डा	4720
सांगीपुर	4757
बिहार	5407
कालाकांकर	5673
योग जनपद	72746

स्त्रोत. 2022, District Statistical Magazine, Pratapgarh District

आरेख क्रमांक–6 प्रतापगढ़ जनपद में विकासखण्ड वार कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग की भूमि का वितरण

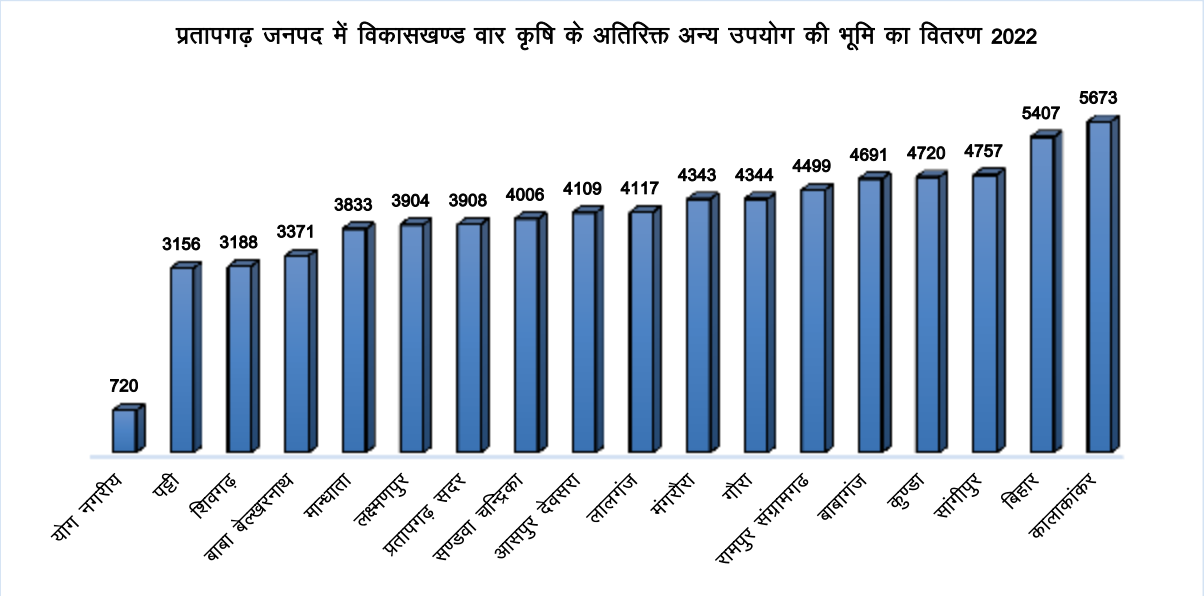

7.चारागाह

प्रतापगढ़ जिले में भूमि उपयोग के अंतर्गत चारागाह भूमि का वितरण इस प्रकार वर्णित हैं। लक्ष्मणपुर विकासखण्ड में 6 हेक्टेयर भूमि उपयोग के अंतर्गत चारागाह भूमि, जबकि शिवगढ़ और कालाकांकर दोनों में 12 हेक्टेयर थीं। कुण्डा नामक ब्लॉक में भी 14 हेक्टेयर थीं। प्रतापगढ़ सदर में चारागाह भूमि की 18 हेक्टेयर हैं, जबकि मांधाता और बाबा बेलखरनाथ दोनों विकासखण्ड में 24 हेक्टेयर हैं। लालगंज 26 हेक्टेयर के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि पट्टी विकासखण्ड में 29 हेक्टेयर चारागाह भूमि हैं। मंगरौरा विकासखण्ड में 32 हेक्टेयर चारागाह भूमि, जबकि बाबागंज विकासखण्ड में 35 हेक्टेयर । संडवा चंद्रिका विकासखण्ड में 36 हेक्टेयर और आसपुर देवसरा विकासखण्ड में 37 हेक्टेयर चारागाह भूमि का विस्तार हैं, सांगीपुर विकासखण्ड 38 हेक्टेयर हैं और रामपुर संग्रामगढ़ विकासखण्ड ने 44 हेक्टेयर चारागाह भूमि हैं। गौरा विकासखण्ड में 50 हेक्टेयर चारागाह भूमि हैं। बिहार विकासखण्ड में चारागाह भूमि 85 हेक्टेयर विस्तार हैं। ये आंकड़े 2022 में प्रतापगढ़ जिले में भूमि उपयोग के तहत चारागाह भूमि के विकासखण्ड वार वितरण को दर्शाते हैं।

सारणी क्रमांक–7 प्रतापगढ़ जनपद में विकासखण्ड वार भूमि उपयोग के अन्तर्गत चारागाह का वितरण

प्रतापगढ़ जनपद में विकासखण्ड वार भूमि उपयोग के अन्तर्गत चारागाह का वितरण 2022	
विकासखण्ड	चारागाह
योग नगरीय	0
लक्ष्मणपुर	6
शिवगढ़	12
कालाकांकर	14
कुण्डा	14

प्रतापगढ़ सदर	18
मान्धाता	24
बाबा बेल्खरनाथ	24
लालगंज	26
पट्टी	29
मंगरौरा	32
बाबागंज	35
सण्डवा चन्द्रिका	36
आसपुर देवसरा	37
सांगीपुर	38
रामपुर संग्रामगढ	44
गौरा	50
बिहार	85
योग जनपद	524

स्त्रोत. 2022, District Statistical Magazine, Pratapgarh District

आरेख क्रमांक–7 प्रतापगढ़ जनपद में विकासखण्ड वार भूमि उपयोग के अन्तर्गत चारागाह का वितरण

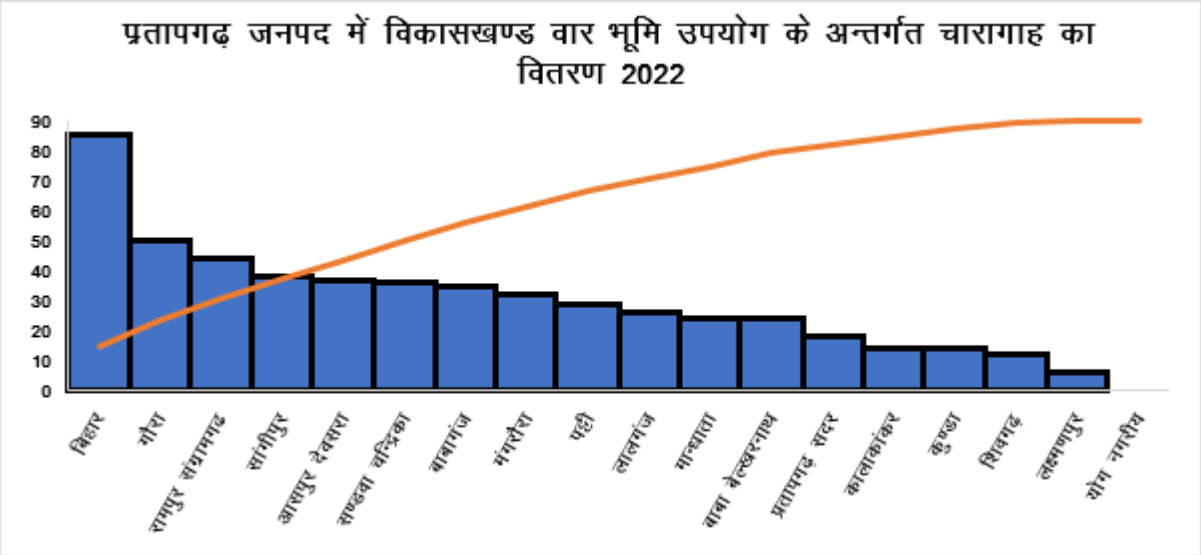

8.उद्यानों वृक्षों एवं झाड़ियों

प्रतापगढ़ जिले में भूमि उपयोग के तहत उद्यानों वृक्षों एवं झाड़ियों के क्षेत्र का वितरण सारणी क्रमांक –8 के आधार पर निम्नानुसार वर्णित। नगरीय क्षेत्र उद्यान, वृक्ष एवं झाड़िया 60 हेक्टेयर क्षेत्र में विस्तृत हैं। कालाकांकर विकासखण्ड 241 हेक्टेयर भूमि पर उद्यान, वृक्ष, एवं झाड़िया हैं, जबकि रामपुर संग्रामगढ़ विकासखण्ड में 345 हेक्टेयर क्षेत्र पर उद्यान, वृक्ष, एवं झाड़िया हैं। बाबागंज विकासखण्ड में 394 हेक्टेयर उद्यान, वृक्ष, एवं झाड़िया हैं, और पट्टी विकासखण्ड में 419 हेक्टेयर मे विस्तृत हैं। शिवगढ़ विकासखण्ड का क्षेत्रफल 435 हेक्टेयर उद्यान, वृक्ष, एवं झाड़िया हैं, जबकि लालगंज विकासखण्ड का क्षेत्रफल 528 हेक्टेयर उद्यान, वृक्ष, एवं झाड़िया हैं। लक्ष्मणपुर विकासखण्ड 577 हेक्टेयर उद्यान, वृक्ष, एवं झाड़िया के साथ दूसरे स्थान पर रहा, और आसपुर देवसरा विकासखण्ड में 612 हेक्टेयर उद्यान, वृक्ष, एवं झाड़िया हैं। मंधाता विकासखण्ड में 622 हेक्टेयर उद्यान, वृक्ष, एवं झाड़िया हैं, जबकि षस्विवेलष विकासखण्ड में 658 हेक्टेयर उद्यान, वृक्ष, एवं झाड़िया हैं।

सारणी क्रमांक–8 प्रतापगढ़ जनपद में विकासखण्ड वार भूमि उपयोग के अन्तर्गत उद्यानों वृक्षों एवं झाड़ियों का क्षेत्रफल का वितरण

प्रतापगढ़ जनपद में विकासखण्ड वार भूमि उपयोग के अन्तर्गत उद्यानों वृक्षों एवं झाड़ियों का क्षेत्रफल का वितरण 2022	
विकासखण्ड	उद्यानों वृक्षों एवं झाड़ियों का क्षेत्रफल
योग नगरीय	60
कालाकांकर	241
रामपुर संग्रामगढ	345
बाबागंज	394
पट्टी	419
शिवगढ़	435
लालगंज	528
लक्ष्मणपुर	577
आसपुर देवसरा	612
मान्धाता	622
कुण्डा	658
सांगीपुर	682
मंगरौरा	707
प्रतापगढ़ सदर	711
बिहार	720
गौरा	774
बाबा बेल्खरनाथ	945
सण्डवा चन्द्रिका	966
योग जनपद	10396

स्त्रोत. 2022, District Statistical Magazine, Pratapgarh District

आरेख क्रमांक–8 प्रतापगढ़ जनपद में विकासखण्ड वार भूमि उपयोग के अन्तर्गत उद्यानों वृक्षों एवं झाड़ियों का क्षेत्रफल का वितरण

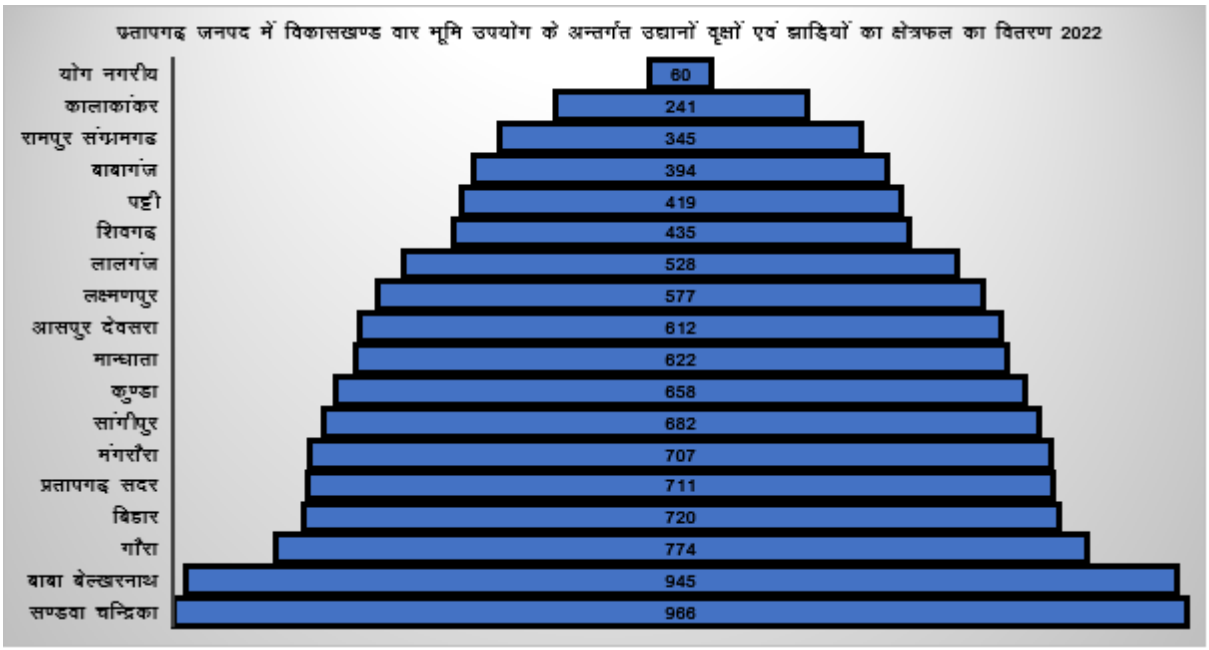

सांगीपुर विकासखण्ड का क्षेत्रफल 682 हेक्टेयर उद्यान, वृक्ष, एवं झाड़िया हैं, और मंगरोरा विकासखण्ड में 707 हेक्टेयर उद्यान, वृक्ष, एवं झाड़िया हैं। प्रतापगढ़ सदर में 711 हेक्टेयर उद्यानों वृक्षों एवं झाड़िया दर्ज की गईं, और बिहार में 720 हेक्टेयर उद्यानों वृक्षों एवं झाड़िया हैं। गौरा विकासखण्ड 774 हेक्टेयर उद्यानों वृक्षों एवं झाड़िया हैं, जबकि बाबा बेलखरनाथ विकासखण्ड ने 945 हेक्टेयर उद्यानों वृक्षों एवं झाड़ियों का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। अंत में, संडवा चंद्रिका विकासखण्ड में 966 हेक्टेयर उद्यानों वृक्षों एवं झाड़ियाँ हैं, जबकि प्रतापगढ़ जिले में कुल 10,396 हेक्टेयर उद्यानों वृक्षों एवं झाड़ियो का विस्तार हैं।

सारांष

भूमि उपयोग के वर्गीकरण की आवश्यकता भूमि के उपयोगी और व्यवस्थित उपयोग हेतु होती है। बढ़ती जनसंख्या एवं शहरीकरण के कारण यह आवश्यक हो गया है कि भूमि का उपयोग नियोजित तरीके से हो। अध्ययन क्षेत्र के भूमि उपयोग प्रतिरूप के विकासखण्डवार आँकड़ों के अध्ययन और विश्लेषण के उपरान्त यह निष्कर्ष निकलता है कि जनपद के भूमि उपयोग प्रतिरूप में निरन्तर बदलाव जारी है जो पर्यावरणीय दृष्टिकोण से उचित नहीं है। भूमि संसाधन पर मानव का निरन्तर हस्तक्षेप पर्यावरणीय पारिस्थितिकी को बिगाड़ रहा है। अतः अब यह नितान्त आवश्यक हो गया है कि हम भूमि का उपयोग करने हेतु धारणीय विकास के सिद्धान्त को अपनायें जिससे मानव की आवश्यकता की पूर्ति भी होती रहे और भूमि संसाधन की क्षति भी न हो।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. 2011, District Census Handbook, Part XIIA, Pratapgarh District.
2. 2022, District Statistical Magazine, Pratapgarh District.
3. 2022, District Socioeconomic Magazine, Pratapgarh District.
4. District Weather Department Pratapgarh.
5. Maurya, S.D., 2015, Sansadhan Bhoogol, Prayag Pustak Bhawan, Allahabad.
6. Tiwari, R.C., 2017 Bharat ka Bhoogol, Prayag Pustak Bhawan, Allahabad.
7. Husain, M., 2019, Agricultural Geography, Rawat publication Jaipur.
8. Bhatia, S.S. (1965). Patterns of crop combination and diversification in India: Economic Geography, Vol. 41, pp. 38-54.
9. Chatterjee (1952). 'Land Utilization Survey of Howrah Districts' Geographical review of India, Vol. 14, No. 13.
10. Jain, S. C. (1967) Agricultural Development in India, Kitab Mahal, Allahabad.
11. Singh Ujagir (1979) Indian economic and regional geography utter Pradesh Hindi Sansthan Lucknow.
12. Tiwari K.C. and Singh, B.N. 1994 agriculture geography, prayag pustak bhavan Allahabad.
13. Singh Priya and Chaorasiya R.K. Changing Nature of Land Use of Pratapgarh District and its Impact on Environment : A Geographical Study, Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika, Vol-9,Issue-8 April-2022.
14. Mishra Durga Prasad Janpad Pratapgarh ke Krishi Bhoomi Upayog Me Parivartan Ek Bhaogolic Adhyayn Remarking An Anaisation, Vol-3 Issur-2 May 2018.
15. www.pib.gov.in
16. http://updes.up.nic.in